



An Initiative by **अमरउजाला**



HISTORY BY

SUJEET BAJPAI SIR



Plassey → Mir Jafar →

Mir Asim

→ Ordnance factory

Awadh

Nawab

Shuja-ud-daula

शुजा-उद्-दौला

शाह आलम - 2nd

Shah Alam - II
(mughl emperor)

महाधिकार
दस्तक (1717) | शाही करनाम / मुगलकालीन EIC
Mughal caravel

❖ दस्तक ईस्ट इंडिया कंपनी को दिया गया मुफ्त व्यापारिक अधिकार था।

❖ यह व्यापारिक अधिकार मुगल बादशाह फर्रुखसियर (1713-1719) ने दिया था।

❖ Dastak was a free trading right given to the East India Company.

❖ This trade right was given by Mughal emperor Farrukhsier (1713-1719).

Bihar

BATTLE OF BUXAR



→ Oct.
1764

killed

mo

Indian

SE

SH-IInd

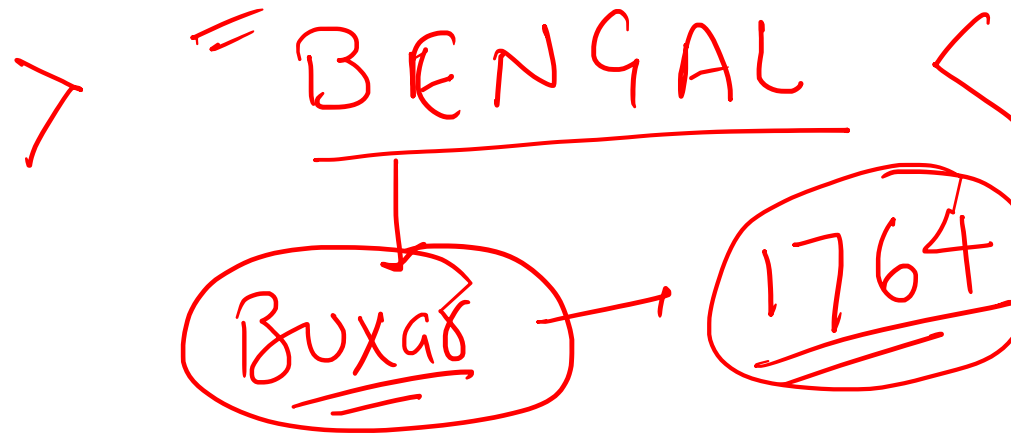
British

एक
गुप्त

↳ Hector
munro

Plassey + Buxar
↑
[Twin Battles]

Modern
Ind. Hist.



DN

संधिया

Treaty of Allahabad 1765



Ist

2nd

Robert Clive &
Shah Alam-2nd

Shuja-ud-
daula

बंगाल में द्वैधशासन(1765)

dyarchy 14
Bengal

- द्वैधशासन का विचार लियो कार्टिस ने दिया था ।
- इस विचार को रॉबर्ट क्लाइव ने लागू किया था ।
- द्वैधशासन का अंत वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 में किया था ।
- The idea of dyarchy was given by Leo Cartis.
- The idea was dyarchy implemented by Robert Clive.
- The dyarchy was ended by Warren Hastings in 1772.

✓ Bengal ✓

✓ mysore ⊕

↑

H. Ali

Maratha

→ 1761



मैसूर

व श्याक वंश

Vodeyas
dynasty

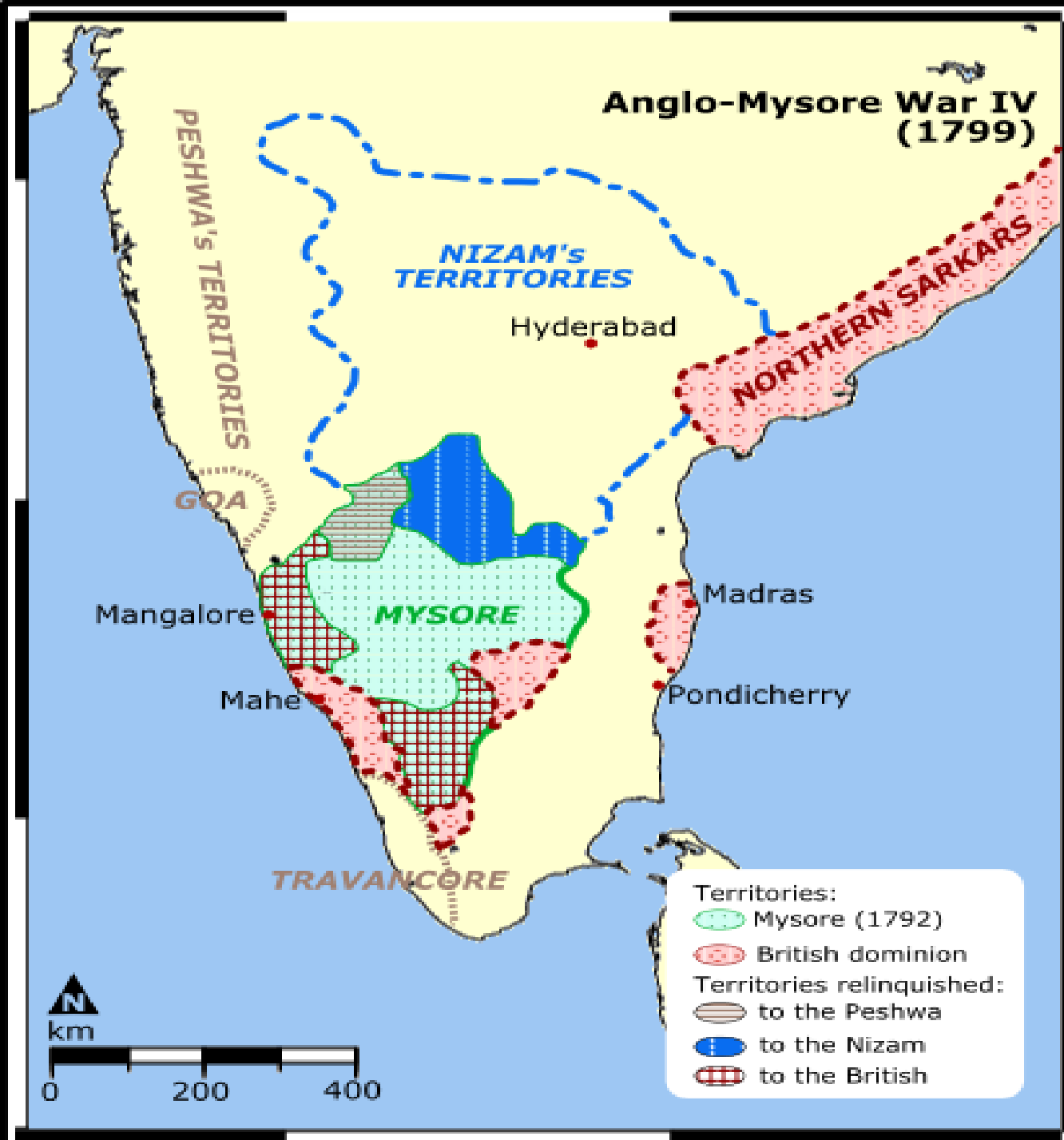
minor King

अल्पवयस्क

❖ मैसूर के स्वायत्त राज्य की स्थापना कृष्णराज व उसके मंत्रियों नानाराज और देवराज ने की थी।

मंत्रिक / Regent

❖ The autonomous state of Mysore was founded by Krishnaraj and his ministers Nanaraj and Devaraj.



हैदर अली

- ❖ हैदर अली वडयार वंश को हराकर सत्ता में आया था ।
- ❖ हैदर ने डिडींगुल में एक शस्त्र कारखाने की स्थापना की थी ।
- ❖ हैदर ने अंग्रेजों को पहले आंग्ल- मैसूर युद्ध में हराया था ।
- ❖ Haider Ali came to power by defeating vadyar dynasty.
- ❖ Haider had set up an arms factory in Didingul.
- ❖ Haider defeated the British in the first Anglo-Mysore war.

- ❖ प्रथम आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत मद्रास की संधि से हुआ था ।
- ❖ मद्रास की संधि पर हैदर अली और वारेन हेस्टिंग्स ने की थी ।
- ❖ हैदर की मृत्यु दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय हुयी थी ।
- ❖ दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय आयरकूट ने हैदर अली को
- ❖ पोर्टोनोवो के युद्ध में 1782 में हराया था ।
- ❖ हैदर अली की मृत्यु के बाद उसका पुत्र टीपू सुल्तान सत्ता में आया था ।

- ❖ The first Anglo-Mysore war came to an end with the Madras Treaty.
- ❖ The Madras Treaty was signed by Haider Ali and Warren Hastings.
- ❖ Haider died during the second Anglo-Mysore war.
- ❖ Eyrecoot defeated Haider Ali during the 2nd Anglo-Mysore War in the Battle of Portonnovo was in 1782.
- ❖ Tipu Sultan (Son of Haider Ali) came to power after Haider Ali's death.

टीपू सुल्तान(1782--99)

- ❖ दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत मंगलौर की संधि से हुआ था ।
- ❖ मंगलौर की संधि पर वारेन हेस्टिंग्स और टीपू सुल्तान ने हस्ताक्षर किये थे ।
- ❖ टीपू ने जैकोबिन क्लब (फ्रांस में लोकतंत्र के समर्थको को जैकोबिन कहते थे) की सदस्यता ली थी ।

Tipu Sultan(1782-99)

- ❖ The second Anglo-Mysore war came to an end with the Treaty of Mangalore.
- ❖ The Treaty of Mangalore was signed by Warren Hastings and Tipu Sultan.
- ❖ Tipu had subscribed to the Jacobin Club (Supporters for democracy in France called Jacobin).

- टीपू ने मैसूर में स्वतंत्रता के वृक्ष की स्थापना की थी ।
- टीपू ने मैसूर में नए सिक्के और नया कलेंडर आरम्भ करवाया था ।
- कार्नवालिस ने टीपू सुल्तान को तीसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध में हराया था ।
- Tipu had established the Tree of Independence in Mysore.
- Tipu started new coins and new calendars in Mysore.
- Cornawalis defeated Tipu Sultan in the third Anglo-Mysore war.

(1790-92)

- तीसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत श्री रंगपट्टनम संधि से हुआ था ।
- चौथे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय वेल्लेस्ली ने 1799 में टीपू सुल्तान की हत्या कर दी थी।
- टीपू सुल्तान की हत्या श्री रंगपट्टनम में हुयी थी ।

- ❖ The third Anglo-Mysore war came to an end with the Sri Rangapatnam Treaty.
- ❖ Welleseley assassinated Tipu Sultan in 1799 during the 4th Anglo-Mysore War.
- ❖ Tipu Sultan was murdered in Sri Rangpattinam.

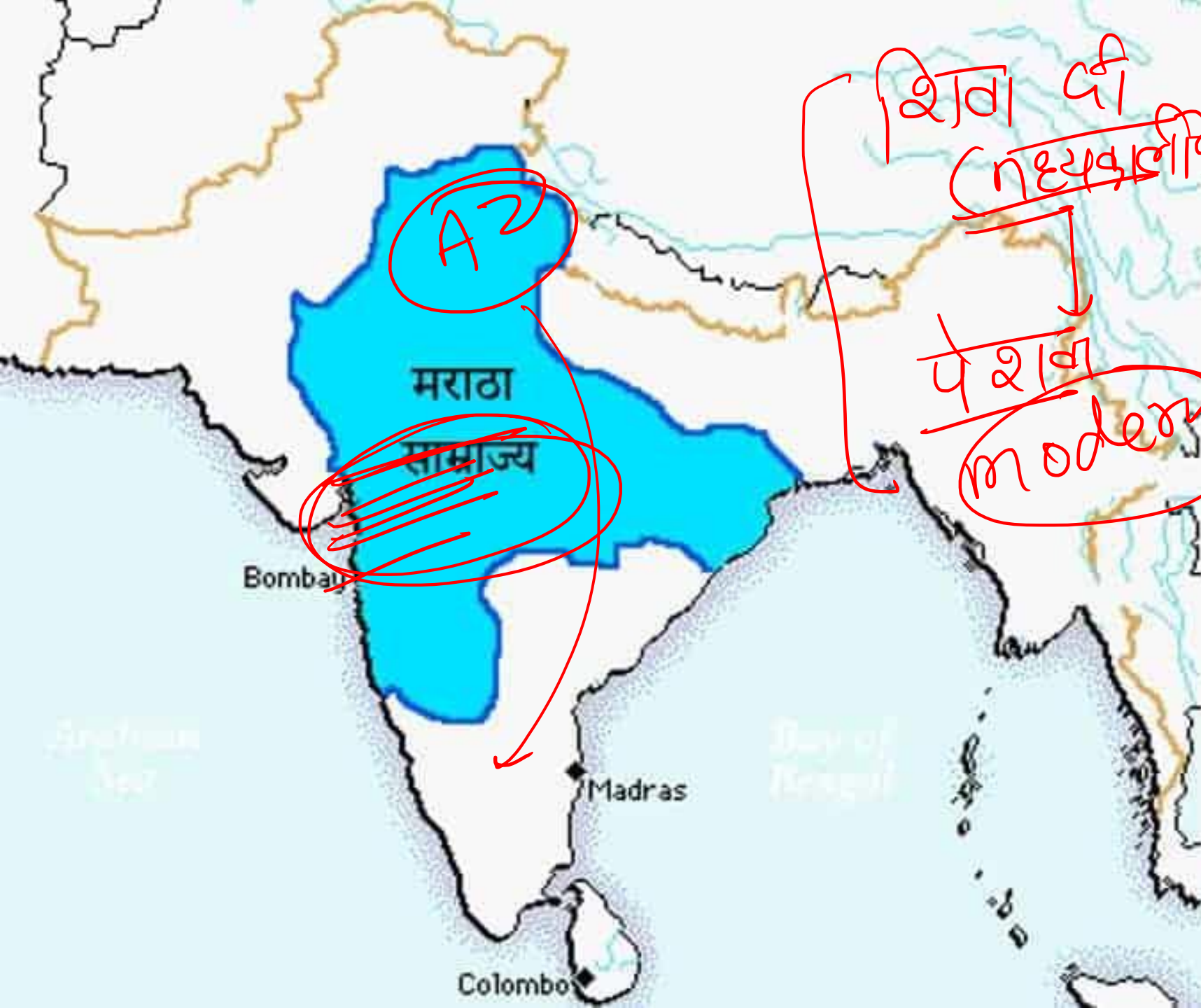
Bengal ✓
Mysore ✓

Maratha

I.C.S.

Cornwallis

Graveyard
Ghaziपुर
(UP)



मराठा
साम्राज्य
MARATHA
EMPIRE

मराठा

❖ मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे ।

❖ माता : जीजाबाई

❖ शिक्षक : रामदास

तुकाराम

कोंडदेव

Regent

❖ पिता : शाह जी

❖ जन्म स्थान : शिवनेर दुर्ग (1627/1630)

❖ राजधानी – रायगढ़

❖ पुरंदर की संधि (1665) : शिवाजी और जयसिंह के बीच

Maratha

- ❖ Shivaji was the founder of the Maratha Empire.
- ❖ Mother: Jijabai
- ❖ Teachers: Ramdas,
Tukaram,
Kond dev
- ❖ Father: Shah Ji
- ❖ Place of Birth: Shivner Fort (1627/1630)
- ❖ Capital – Raigarh
- ❖ The Treaty of Purandar (1665) : Between Shivaji and Jai Singh

अंतर्गत किसानों से उनकी उपज का 20 प्रतिशत कर के रूप में लेकर बदले में उन्हें संरक्षण प्रदान किया जाता था।

गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा को प्रेरित किया था कि शासन उनके भाग्य में है (राज करेगा खालसा)। अपने सुनियोजित संगठन के कारण खालसा, पहले मुगल सूबेदारों के खिलाफ और फिर अहमदशाह अब्दाली के खिलाफ सफल विरोध प्रकट कर सका। (अहमदशाह अब्दाली ने मुगलों से पंजाब का समृद्ध प्रांत और सरहिंद की सरकार को अपने कब्जे में कर लिया था।) खालसा ने 1765 में अपना सिक्का गढ़कर सार्वभौम शासन की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण है कि सिक्के पर उत्कीर्ण शब्द वही थे, जो बंदा बहादुर के समय में खालसा के आदेशों में पाए जाते हैं।

अठारहवीं शताब्दी के अंतिम भाग में सिक्ख इलाके सिंधु से यमुना तक फैले हुए थे, यद्यपि ये विभिन्न शासकों में बँटे हुए थे। इनमें से एक शासक महाराजा रणजीत सिंह ने विभिन्न सिक्ख समूहों में फिर से एकता कायम करके 1799 में लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।

मराठा

मराठा राज्य एक अन्य शक्तिशाली क्षेत्रीय राज्य था, जो मुगल शासन का लगातार विरोध करके उत्पन्न हुआ था। शिवाजी (1627-1680) ने शक्तिशाली योद्धा परिवारों (देशमुखों) की सहायता से एक स्थायी राज्य की स्थापना की। अत्यंत गतिशील कृषक-पशुचारक (कुनबी) मराठों की सेना के मुख्य आधार बन गए। शिवाजी ने प्रायद्वीप में मुगलों को चुनौती देने के लिए इस सैन्य-बल का प्रयोग किया। शिवाजी की मृत्यु के पश्चात्, मराठा राज्य में प्रभावी शक्ति, चितपावन ब्राह्मणों के एक परिवार के हाथ में रही, जो शिवाजी के उत्तराधिकारियों के शासनकाल में 'पेशवा' (प्रधानमंत्री) के रूप में अपनी सेवाएँ देते रहे। पुणे मराठा राज्य की राजधानी बन गया।

पेशवाओं की देखरेख में मराठों ने एक अत्यंत सफल सैन्य संगठन का विकास कर लिया। उनकी सफलता का रहस्य यह था कि वे मुगलों के किलाबंद इलाकों से टक्कर न लेते हुए, उनके पास से चुपचाप निकलकर शहरों-कस्बों पर हमला बोलते थे और मुगल सेना से ऐसे मैदानी इलाकों में मुठभेड़ लेते थे; जहाँ रसद पाने और कुमक आने के रास्ते आसानी से रोके जा सकते थे।



चित्र 7a शिवाजी का रूपचित्र

17वीं सदी के अंत तक दक्कन में शिवाजी के नेतृत्व में एक शक्तिशाली राज्य के उदय की शुरुआत हुई, जिससे अंततः एक मराठा राज्य की स्थापना हुई। शिवाजी का जन्म 1630 में शाहजी और जीजाबाई से हुआ। अपनी माता और अभिभावक दादा कोंडदेव के मार्ग निर्देशन में शिवाजी कम उम्र में ही विजयपथ पर निकल पड़े। जावली पर कब्जे ने उन्हें मवाला पठारों का अविवादित मुखिया बना दिया जिसने उनके क्षेत्र-विस्तार का पथ प्रशस्त किया। बीजापुर और मुगलों के खिलाफ उनके कारनामों ने उन्हें विख्यात व्यक्तित्व बना दिया। वे अपने विरोधियों के खिलाफ प्रायः गुरिल्ला युद्धकला का प्रयोग करते थे। चौथ और सरदेशमुखी पर आधारित राजस्व संग्रह प्रणाली की सहायता से उन्होंने एक मजबूत मराठा राज्य की नींव रखी।

अठारहवीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन

Under a number of able leaders in the eighteenth century, the Sikhs organized themselves into a number of bands called *jathas*, and later on *misls*. Their combined forces were known as the grand army (*dal khalsa*). The entire body used to meet at Amritsar at the time of Baisakhi and Diwali to take collective decisions known as “resolutions of the Guru (*gurmata*)”. A system called *rakhi* was introduced, offering protection to cultivators on the payment of a tax of 20 per cent of the produce.

Guru Gobind Singh had inspired the *Khalsa* with the belief that their destiny was to rule (*raj karega khalsa*). Their well-knit organization enabled them to put up a successful resistance to the Mughal governors first and then to Ahmad Shah Abdali who had seized the rich province of the Punjab and the Sarkar of Sirhind from the Mughals. The *Khalsa* declared their sovereign rule by striking their own coin again in 1765. Significantly, this coin bore the same inscription as the one on the orders issued by the *Khalsa* in the time of Banda Bahadur.

The Sikh territories in the late eighteenth century extended from the Indus to the Jamuna but they were divided under different rulers. One of them, Maharaja Ranjit Singh, reunited these groups and established his capital at Lahore in 1799.

The Marathas

The Maratha kingdom was another powerful regional kingdom to arise out of a sustained opposition to Mughal rule. Shivaji (1627-1680) carved out a stable kingdom with the support of powerful warrior families (*deshmukhs*). Groups of highly mobile, peasant-pastoralists (*kunbis*) provided the backbone of the Maratha army. Shivaji used these forces to challenge the Mughals in the peninsula. After Shivaji's death, effective power in the Maratha state was wielded by a family of Chitpavan Brahmanas who served Shivaji's successors as Peshwa (or principal minister). Poona became the capital of the Maratha kingdom.



Fig. 7a
Portrait of Shivaji

Towards the end of the 17th century a powerful state started emerging in the Deccan under the leadership of Shivaji which finally led to the establishment of the Maratha state. Shivaji was born to Shahji and Jija Bai at Shivneri in 1630. Under the guidance of his mother and his guardian Dada Konddev, Shivaji embarked on a career of conquest at a young age. The occupation of Javli made him the undisputed leader of the Mavala highlands which paved the way for further expansion. His exploits against the forces of Bijapur and the Mughals made him a legendary figure. He often resorted to guerrilla warfare against his opponents. By introducing an efficient administrative system supported by a revenue collection method based on chauth and sardeshmukhi he laid the foundations of a strong Maratha state.

मैकमिलन

भारत का बृहत् इतिहास 2



मजुमदार, रायचौधुरी, दत्त

1627

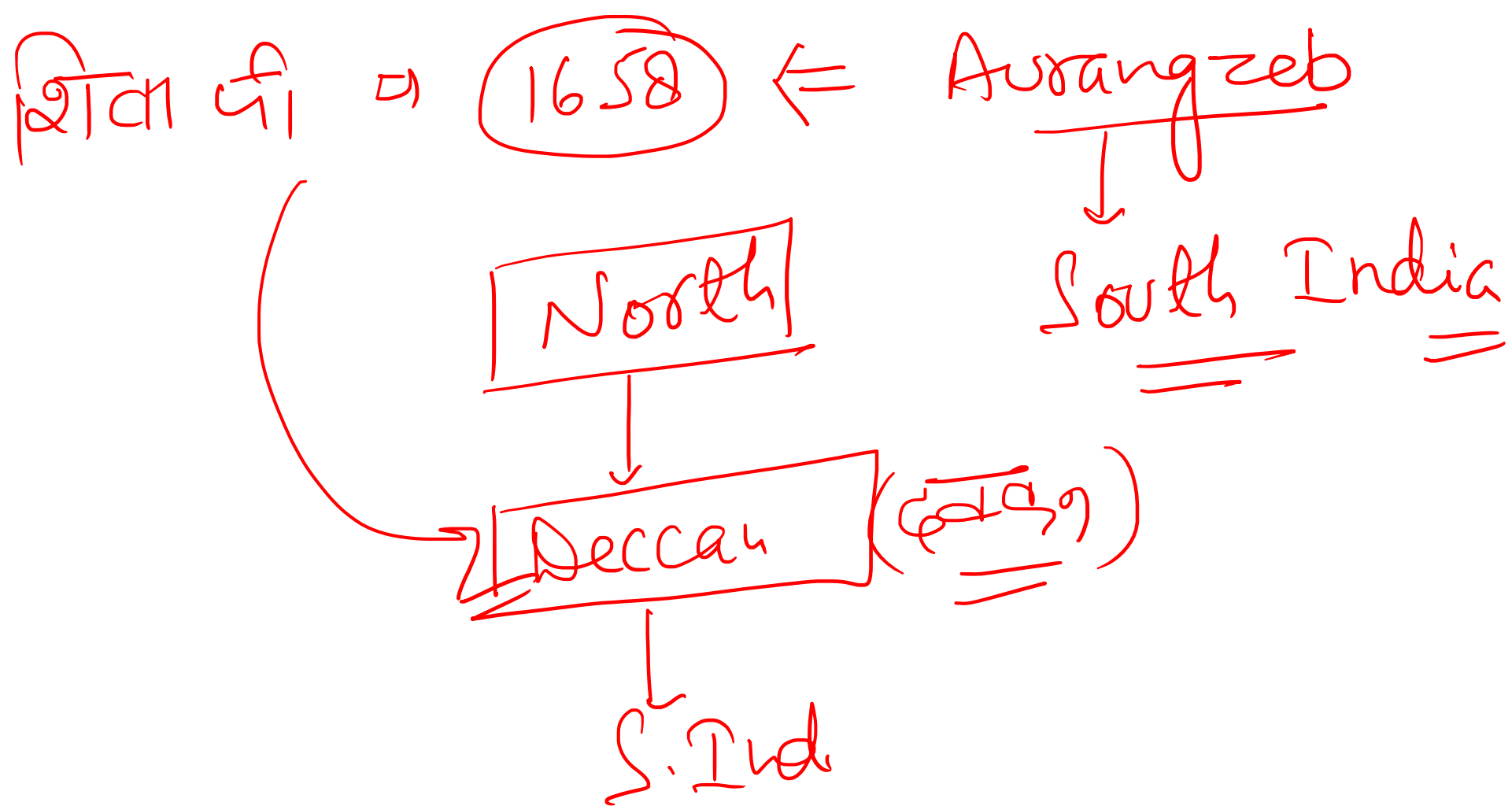
जहाँगीर की मृत्यु।

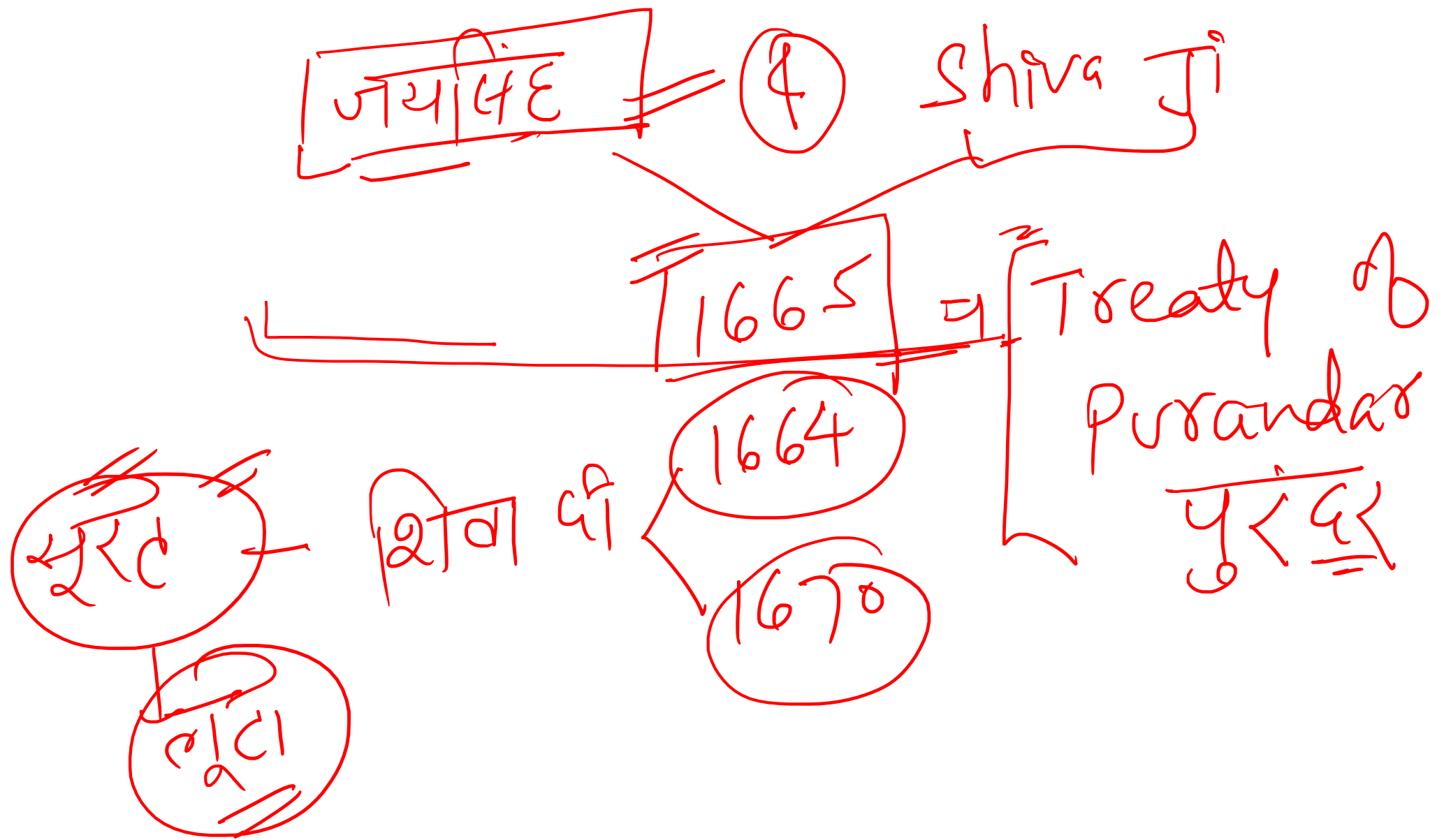
शिवाजी का जन्म (या कुछ के मतानुसार 1630 ई० में)

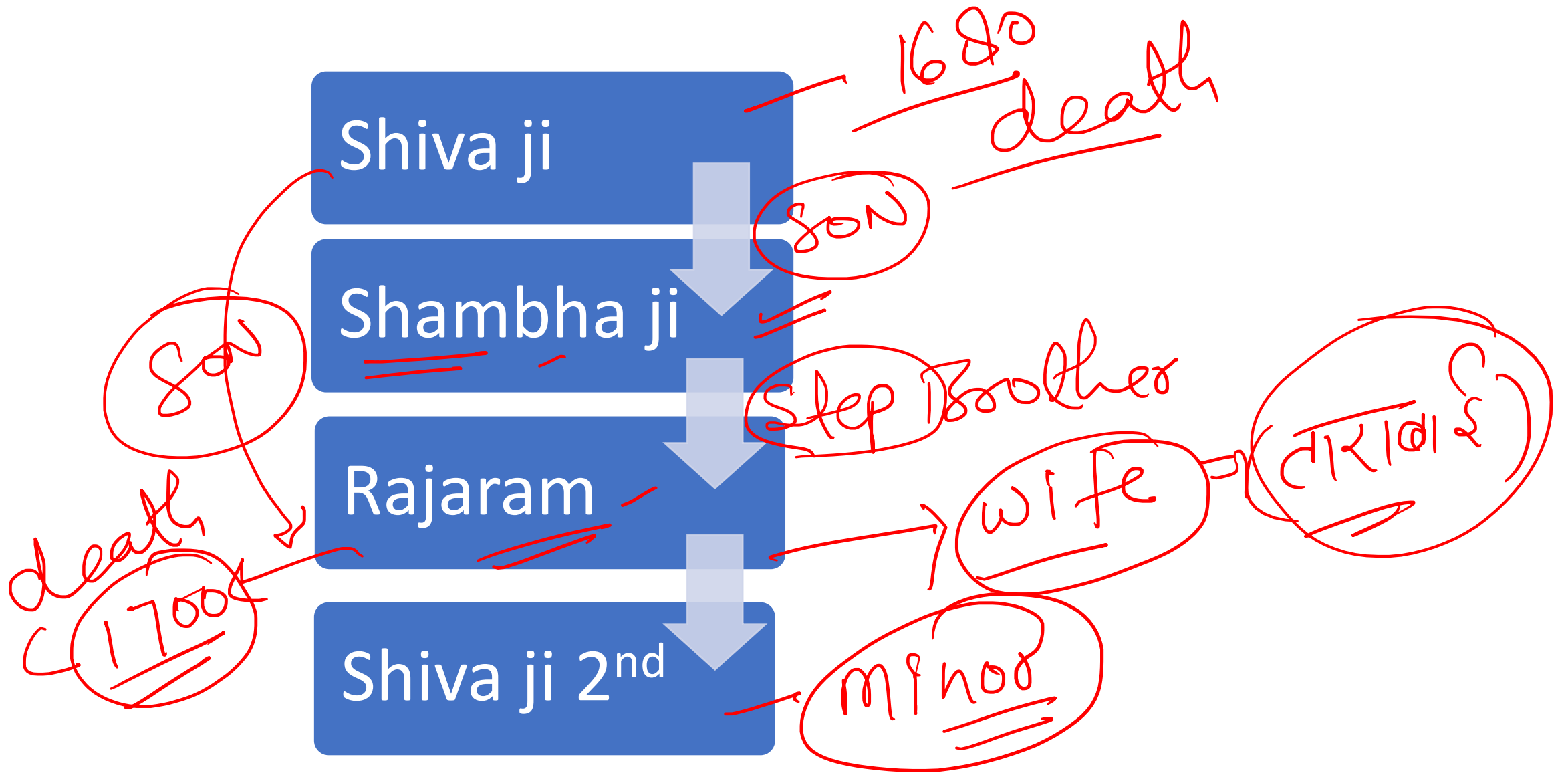
1627

1630

1959









— शाहजी की

— killed in 1689

— son

— शाहजी की

1699

— दिल्ली



1707 - AZ - died

Shahu was released from Mughal prison by emperor Azam Shah (March-1707 to June-1707) in 1707.

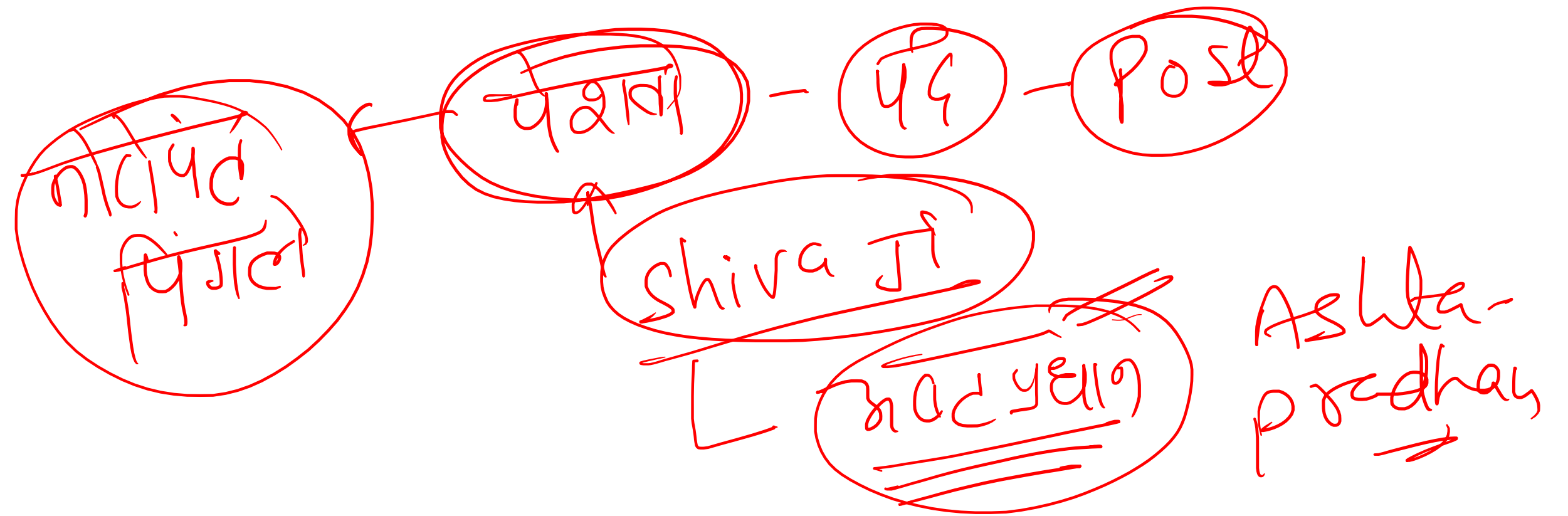
— Caretaker → (ਸ਼ਿਵਾਜੀ)

➤ शाहू ने ताराबाई को बालाजी विश्वनाथ की मदद से हराया था ।

➤ इसके बाद मराठों का इतिहास पेशवाओं के इतिहास में बदल गया।

❖ Shahu defeated Tarabai with the help of Balaji Vishwanath.

❖ After this the history of the Marathas changed in the history of the Peshwas.



S > P